॥ श्री लक्ष्मी माता आरती ॥

S

॥ श्री लक्ष्मी माता आरती ॥

ॐ जय लक्ष्मी माता,
मैया जय लक्ष्मी माता।
तुमको निशिदिन सेवत,
हरि विष्णु विधाता॥1॥
ॐ जय लक्ष्मी माता...

उमा, रमा, ब्रह्माणी,
तुम ही जग-माता।
सूर्य-चंद्रमा ध्यावत,
नारद ऋषि गाता॥2॥
ॐ जय लक्ष्मी माता...

दुर्गा रूप निरंजनी,
सुख सम्पत्ति दाता।
जो कोई तुमको ध्याता,
ऋद्धि-सिद्धि धन पाता॥3॥
ॐ जय लक्ष्मी माता...

तुम पाताल-निवासिनि,
तुम ही शुभदाता।
कर्म-प्रभाव-प्रकाशिनी,

www.ishtadev.com

भवनिधि की त्राता॥4॥

ॐ जय लक्ष्मी माता...

जिस घर में तुम रहतीं,

सब सद्गुण आता।

सब सम्भव हो जाता,

मन नहीं घबराता॥5॥

ॐ जय लक्ष्मी माता...

तुम बिन यज्ञ न होते,

वस्त्र न कोई पाता।

खान-पान का वैभव,

सब तुमसे आता॥6॥

ॐ जय लक्ष्मी माता...

शुभ-गुण मंदिर सुंदर,

क्षीरोदधि-जाता।

रत्न चतुर्दश तुम बिन,

कोई नहीं पाता॥7॥

ॐ जय लक्ष्मी माता...

महालक्ष्मीजी की आरती,

जो कोई जन गाता।

www.ishtadev.com

उर आनन्द समाता,

पाप उतर जाता॥8॥

ॐ जय लक्ष्मी माता...

॥ इति श्री लक्ष्मी माता आरती संपूर्णम् ॥

www.ishtadev.com